डीआरडीओ के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने सीयूजे का दौरा किया

- दोनों संगठन आदिवासी आधारित कौशल की स्वदेशी क्षमता की जांच करेंगे और एक वाणिज्यिक मंच प्रदान करेंगे

स्वदेश संवाददाता

रांची : डीआरडीओ के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व देवकांत पहाड़ सिंह, निदेशक-डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-एनर्जी रिसर्च हल्द्वानी और डॉ सुनील कुमार होता, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज दिल्ली के प्रख्यात वैज्ञानिक ने किया। प्रतिनिधिमंडल टीम को सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास की ओर से आमंत्रित किया गया था। यात्रा का उद्देश्य महत्वपूर्ण अनुसंधान क्षेत्र को स्कैन करना था जिसका उद्देश्य स्वदेशी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से झारखंड राज्य का ट्राइवल हेल्थ एंड वेल्थ मैनेजमेंट, हरित हाइड्रोजन ऊर्जा संचयन तंत्र और ड्रोन आधारित सटीक कृषि प्रौद्योगिकी की स्थापना है जिसके तहत दोनों के बीच एमओयू भी साइन हुए। बैठक में एसएनएस-डीन-प्रो. एके पाढ़ी, डॉ. आशीष सचान-प्रमुख-डीएलएस और डॉ. मनोज कुमार-एसोसिएट डीन-रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेल, विभिन्न विभागों के निम्नलिखित संकाय सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा की गई।

इन एमओयू पर हुआ हस्ताक्षर

- डीआरडीओ और झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय दोनों संस्थान तीन उद्देश्यों के साथ पैरा 1 में उल्लिखित अनुसंधान क्षेत्र के पारस्परिक हित में तेजी लाने के लिए एक क्लस्टर दृष्टिकोण के साथ एक व्यापक समझौता के साथ कार्य करेंगे ।
- डीआरडीओ क्लस्टर और स्वतंत्र पीआई-आधारित परियोजना के वित्तपोषण के लिए इन विषयों पर प्रस्ताव आमंत्रित किया
- दोनों संगठन आदिवासी आधारित कौशल की स्वदेशी क्षमता की जांच करेंगे और एक वाणिज्यिक मंच प्रदान करेंगे। जनजातीय पारिस्थितिकी तंत्र का वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ प्रयोग किया जाएगा और राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखते हुए उन्हें एक संभावित हितधारक देने के लिए समग्र मानदंड तैयार किए जाएंगे।
- समिति छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय किसानों के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण के लिए एक क्षेत्रीय इंटरफेस विकसित करने पर सहमत हुई।

सीयूजे व डीआरडीओ के बीच हुआ एमओयू

रांची. केंद्रीय विवि झारखंड (सीयूजे) व रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के बीच मंगलवार को एमओयू हुआ. इसके जरिये अनुसंधान पर जोर दिया जायेगा. इसका उद्देश्य स्वदेशी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से झारखंड राज्य के ट्राइबल हेल्थ एंड वेल्थ मैनेजमेंट, हरित हाइड्रोजन ऊर्जा संचयन तंत्र और ड्रोन आधारित सटीक कृषि प्रौद्योगिकी की स्थापना करना है. इसके अलावा आदिवासी आधारित कौशल की स्वदेशी क्षमता की जांच करना और एक वाणिज्यिक मंच प्रदान करना है.

अनुसंधान के क्षेत्र में सीयूजे व डीआरडीओ के बीच करार

- जनजातीय स्वास्थ्य और धन प्रबंधन समेत अन्य मुद्दों पर होगा काम
- आदिवासी आधारित कौशल की स्वदेशी क्षमता की भी होगी जांच

रांची, प्रमुख संवाददाता। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) का दौरा किया। स्वदेशी प्रक्रिया के जरिये झारखंड के जनजातीय स्वास्थ्य और धन प्रबंधन, हरित हाइड्रोजन ऊर्जा संचयन तंत्र व ड्रोन आधारित सटीक कृषि प्रौद्योगिकी की स्थापना के उद्देश्य को पूरा करने के लिए सीयूजे व डीआरडीओ के बीच एमओयू (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टेंडिंग) पर हस्ताक्षर हुए। इस दौरान हुई बैठक में विभिन्न विभागों के शिक्षकों के साथ व्यापक चर्चा की गई।

एमओयू के तहत डीआरडीओ व सीयूजे अनुसंधान क्षेत्र के पारस्परिक हित में तेजी लाने के लिए क्लस्टर दृष्टिकोण के साथ काम करेंगे। डीआरडीओ क्लस्टर व स्वतंत्र पीआई आधारित परियोजना के वित्तपोषण के लिए उक्त विषयों पर प्रस्ताव आमंत्रित किए गए। दोनों संगठन आदिवासी आधारित कौशल की स्वदेशी क्षमता की जांच करके एक वाणिज्यिक मंच प्रदान करेंगे।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ बायो-एनर्जी रिसर्च हल्द्वानी के निदेशक देवकांत पहाड़ सिंह व डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज दिल्ली के डॉ सुनील कुमार होता ने किया।

CUJ to ink MoU with DRDO to research tribal life

TIMES NEWS NETWORK

Ranchi: The Central University of Jharkhand (CUJ) in a statement on Tuesday said they would soon sign an MoU with the Defense Research and Development Organisation (DRDO) to expedite mutual interest in research for skills inherent in the tribal population of the state and to develop a regional interface for technology transfer and commercialisation of skills for tribal students and faculty members, besides farmers.

A delegation from DRDO led by Devakanta Pahad Singh, the director of Defence Institute of Bio-Energy Research (DIBER), Haldwani, and Sunil Kumar Hota, an eminent scientist of Defence Institute of Physiology & Allied Sciences (DIPAS), Delhi, visited the CUJ campus on Tuesday.

The research areas include 'Tribal Health and Wealth Management of Jharkhand state through an Indigenous Screening Process', 'Green Hydrogen Energy Harvesting Mechanism and Establishment of Drone-based Precision Agriculture Technology', it read.

Both organisations will screen the indigenous potential of tribal skills and provide a commercial platform, it added.

डीआरडीओ के प्रतिनिधिमंडल ने किया केंद्रीय विश्वविद्यालय का दौरा

सीयूजे में डीआरडीओ के प्रतिनिधिमंडल के साथ कुलपति ● जागरण

रांची (वि) : रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को झारखंड केंद्रीय विवि का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व देवकांत पहाड़ सिंह, निदेशक-डिफेंस इंस्टीट्यूट आफ बायो-एनर्जी रिसर्च, डा सुनील कुमार होता, डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड एलाइड साइंसेज, दिल्ली के प्रख्यात वैज्ञानिक ने किया। टीम को सीयूजे के कुलपति प्रो क्षिति भूषण दास ने आमंत्रित किया था। यात्रा का उद्देश्य महत्वपूर्ण अनुसंधान क्षेत्र को स्कैन करना। जिसका उद्देश्य स्वदेशी स्क्रीनिंग प्रक्रिया के माध्यम से झारखंड राज्य का ट्राइवल हेल्थ एंड वेल्थ मैनेजमेंट, हरित हाइड्रोजन ऊर्जा संचयन तंत्र और "ड्रोन आधारित सटीक कृषि प्रौद्योगिकी" की स्थापना है जिसके तहत दोनों के बीच एमओयू भी साइन हुए। बैठक का संचालन डीन प्रो. एके पाढ़ी, डा. आशीष सचान और डा मनोज कुमार, संकाय सदस्यों के साथ व्यापक चर्चा की गई।